पाठ 5. मौत के मुँह में

पाठ का उद्देश्य

कक्षा में इस पाठ का मौन वाचन करने से बच्चों में वाचन-कौशल का विकास होगा। उनका शुद्ध उच्चारण का अभ्यास होगा। पाठ्यक्रम से हटकर कहानी पढ़ने से उनमें साहित्य के प्रति रुचि जागेगी। पाठ को पढ़कर इसपर आधारित प्रश्न बनाने से उनमें प्रश्न करने की क्षमता का विकास होगा। इसी के साथ उनमें आत्मविश्वास जागेगा।

- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को पाठ का मौन वाचन करने को कहें।
- वाचन करने के बाद बच्चे पाठ पर आधारित प्रश्नों का निर्माण करेंगे।
- प्रश्न-निर्माण के बाद उन्हें वे प्रश्न कक्षा में अपने मित्रों से पूछने को कहें। इस प्रकार वे आपस में तर्क करना सीखेंगे।
- बच्चे इस कहानी को कक्षा में पूर्ण हाव-भाव सहित सुना सकते हैं।

इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों में भाषा संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। जब वे इस कहानी को कक्षा में हाव-भाव सहित तथा पूर्ण उतार-चढ़ाव के साथ सुनाएँगे तो इससे उनकी शारीरिक क्रिया संबंधी तथा संगीत एवं लय संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। प्रश्न निर्माण करने, प्रश्न पूछने तथा उत्तर देने से उनकी सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।